न्यूज डायरी

चीन, डब्ल्यूएचओ के बाद अब अपने सलाहकार पर बरसे ट्रंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका में कोरोना वायरस का कहर जैसे–जैसे बढ़ता जा रहा है, वैसे–वैसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हताशा भी बढ़ती जा रही है। चीन, डब्ल्यूएचओ के बाद अब डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर संक्रामक बीमारियों के शीर्ष अमेरिकी विशेषज्ञ एंथनी फॉसी आ गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने रविवार को फॉसी को बर्खास्त करने की मांग वाले ट्वीट को रिट्वीट किया। दरअसल, नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एलर्जी ऐंड इन्फेक्शस डिजीजेज के डायरेक्टर एंथनी फॉसी ने कहा था कि उन्होंने फरवरी में ही अमेरिका में शट डाउन की सिफारिश की थी लेकिन उनकी सलाह को अनदेखा कर दिया गया। फॉसी के इस बयान के बाद ट्रंप ने उन पर पलटवार किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने तब चीन से उड़ानों को बंद कर दिया था जब किसी ने इस बारे में कुछ कहा नहीं था।

पाकिस्तान मे सेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त, दो पायलटों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत में सोमवार को नियमित अभ्यास के दौरान सेना के एक लड़ाकू जेट विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से दो पायलटों की मौत हो गयी। सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीसी) ने बताया कि यह दुर्घटना पंजाब प्रांत के गुजरात क्षेत्र में घटी। उसने एक बयान में बताया कि विमान के दोनों पायलटों– मेजर उमर और लेफ्टिनेंट फैजान की इस हादसे में मौत हो गयी। उमर इंस्ट्रक्टर पायलट थे और फैजान प्रशिक्षु। सेना के अनुसार हादसे की सटीक वजह का फिलहाल पता नहीं चला है। वैसे नीचे जमीन पर कोई हताहत नहीं हुआ।

अमेरिकी राजदूत ने कैदियों की रिहाई को बताया ''महत्वपूर्ण कदम''

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। तालिबान से समझौते के लिए बातचीत करने वाले अमेरिकी विशेष राजदूत ने अफगानिस्तान सरकार और तालिबान द्वारा एक–दूसरे के कैदियों को छोड़ने के कदम को सोमवार को शांति की दिशा में ''महत्वपूर्ण'' बताया।'रैड क्रास' की अंतरराष्ट्रीय समिति के अनुसार तालिबान ने कैद में रखे अफगानिस्तान सुरक्षा बल के 20 कर्मियों को रिहा किया है। सरकार द्वारा पिछले सप्ताह तालिबान के सैकड़ों कैदी रिहा करने के बाद तालिबान ने यह कदम उठाया। अफगानिस्तान के लिए अमेरिका के विशेष दूत जलमे खलीलजाद ने ट्वीट किया, '' शांति स्थापित करने और हिंसा कम करने की दिशा में कैदियों की रिहाई एक महत्वपूर्ण कदम है।'' खलीलजाद और तालिबान ने 29 फरवरी को एक समझौता किया था। इसके तहत अमेरिकी और अन्य विदेशी बलों की वापसी के लिए कई शर्तें तय की गईं थी। समझौते के अनुसार अफगानिस्तान सरकार तालिबान के 5,000 कैदी रिहा करने हैं और तालिबान अफगानिस्तान सुरक्षा बल के 1,000 कर्मियों को छोड़ेगा।

युद्ध ग्रस्त सीरिया में वायरस का खतरा सिर पर मंडरा रहा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेरिस। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के प्रसार को नियंत्रित करने की यूरोप और अमेरिका की कोशिशों के बीच विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि युद्धग्रस्त सीरिया में आपदा सिर पर खड़ी है जहां अस्पताल मौजूदा जरूरतों को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं और स्वस्च्छता की स्थितियां भी बेहद खराब हैं। वायरस के प्रकोप ने दुनिया भर में 18 लाख लोगों को संक्रमित किया है और करीब 1,12,000 लोगों की जान ले ली है। सीरिया में वायरस को फैलने से रोकने के प्रयासों के तहत दमिश्क सरकार ने सीमाएं बंद कर दी हैं, प्रांतों के बीच आवाजाही प्रतिबंधित कर दी है और स्कूल एवं रेस्तरां बंद कर दिए हैं। आधिकारिक संख्या कम है जहां दो मौत और 19 संक्रमितों की पुष्टि हुई है लेकिन केवल 100 मरीजों की रोजाना जांच हो रही है और उनमें भी आधे से ज्यादा जांच राजधानी दमिश्क में हो रही हैं।

पाकिस्तान ने दुनिया से मांगी कर्ज में राहत

कोरोना से लड़ाई के आड़े आ रही कंगाली

कहर

पाक में कोरोना वायरस के 334 नए मामले, मृतक संख्या 93

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। कोरोना वायरस ने पाकिस्तान में अब तक 5185 लोगों को अपना शिकार बना लिया है और 88 लोगों की मौत हो चुकी है। हर दिन बढ़ते आंकड़ों के साथ देश के प्रधानमंत्री इमरान खान की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। शुरुआत से ही इमरान इस बात पर कायम रहे हैं कि विकसित देशों की तरह पाकिस्तान में लॉकडाउन घोषित नहीं किया जा सकता, वरना हजारों लोग भूखे मर जाएंगे। अब इसी सिलसिले में उन्होंने ग्लोबल कम्यूनिटी से आर्थिक राहत देने की अपील की है।

मुखमरी रोकना है चुनौतीः एक वीडियो संदेश में पाक के पीएम ने कहा है कि कोरोना वायरस ने देश के सामने एक चुनौती खड़ी कर दी है। उन्होंने कहा, हम देख रहे हैं कि दुनिया में कैसे इसका रिसपॉन्स किया जा रहा है। विकसित देशों में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए पहले लॉकडाउन किया जा रहा है और उसके बाद इकॉनमी को होने वाले नुकसान के बारे में सोचा जा रहा है। इमरान ने कहा कि विकासशील देशों में लॉकडाउन के चलते भुखमरी से होने वाली मौतों को रोकना एक बड़ी चुनौती है।

विकसित देशों जितनी राहत नहीं दे सकतेः इमरान ने कहा है कि विकासशील देशों में इस आपदा से निपटने के लिए संसाधन हैं। उन्होंने जिक्र किया कि कैसे अमेरिका ने 2. 2 ट्रिलियन डॉलर, जर्मनी ने 1 ट्रिलियन यूरो और 2 ट्रिलियन डॉलर का राहत पैकेज अपने देशों के लिए जारी कर दिया है लेकिन 220 मिलियन लोगों की आबादी वाला पाकिस्तान सिर्फ 8 बिलियन डॉलर्स की मदद ही दे सकता है। **कर्ज में मिले राहतः** यह कर्ज के तले देशों के सामने एक बड़ी समस्या है। इसलिए इमरान ने ग्लोबल लीडर्स, फाइनैंशल इंस्टिट्यूशन्स के अध्यक्षों और यूएन सेक्रटरी जनरल से विकासशील देशों को कर्ज में राहत देने की मांग की है। बता दें कि पाकिस्तान से कोरोना वायरस को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। यहां सिंध प्रांत में एक दिन में टेस्ट किए गए मामलों में 20 फीसदी पॉजिटिव पाए गए हैं जो कि दुनिया में औसतन सबसे अधिक है।

पाकिस्तान में घातक कोरोना वायरस के 334 नए मामले सामने आने के बाद देश में इससे संक्रमित लोगों की संख्या 5,374 हो गई। वहीं इससे संक्रमित सात लोगों के जान गंवाने के बाद मृतक संख्या 93 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने बताया कि 1,095 लोग पूरी तरह ठीक हो गए हैं लेकिन 44 लोगों की हालत नाजुक है।उसने बताया कि पिछले 24 घंटे में 334 नए मामले सामने आने के बाद वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या सोमवार को 5,374 हो गई।

ब्रिटेन में ताबूत हुए खत्म, बेडशीट में शवों को लपेटकर रख रहे डॉक्टर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। ब्रिटेन में कोरोना संक्रमण के कारण मरने वालों की संख्या 10,612 हो गई। ब्रिटेन में मौत की रफ्तार इतनी तेज है कि अस्पतालों के पास शव को रखने के लिए बॉडी बैग तक नहीं बचे हैं। उन्हें बेड शीट में ही लपेटकर रखा जा रहा है। इन बेड शीट के अंदर भी किसी तरह की कोई प्लास्टिक या और कपड़े का इस्तेमाल भी नहीं हो रहा। केवल एक चादर में ही शव को लपेटा जा रहा है।

इससे बाकी लोगों में भी संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस हालात को देखते हुए अंतिम संस्कार से जुड़े उन लोगों में भी संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है जो तमाम अस्पतालों और शव घरों से मृतकों को लाकर उनका अंतिम संस्कार करते हैं। साथ ही अन्य लोगों को भी वायरस अपनी चपेट में ले सकता है।

रिसर्च में सामने आया है कि ये वायरस रेफ्रीजरेटर में भी 3 दिन तक सक्रिय रहते हैं।

लोगों का कहना है कि यह आलम केवल एक अस्पताल का नहीं है, बल्कि बहुत से अस्पताल ऐसे हैं जहां यह समस्या है कि उनके पास बॉडी बैग तक खत्म हो गए हैं। रविवार को 24 घंटे में 737 लोगों की मौत हो गई जो पिछले दो दिनों में होने वाली मौतों से कम रहा।

डब्ल्यूएचओ चीफ पर लगे महामारियां छिपाने के आरोप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जेनेवा। दुनियाभर के लिए कोरोना वायरस के अपडेट और गाइडलाइन्स जारी करने वाले वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष को अपने ही देश में तीन महामारियों को नजरअंदाज करने के आरोपों का सामना एक बार फिर करना पड़ रहा है। डॉ. टेड्रोस ऐडनम के ऊपर आरोप लगाया जा रहा है कि जब वह इथियोपिया के हेल्थ मिनिस्टर थे, तब उन्होंने वहां 3 बार फैली कॉलरा की महामारी को दर्ज ही नहीं किया था। टेड्रोस इन आरोपों का खंडन करते आ रहे हैं और उन्होंने कहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो डब्ल्यूएचओ के ऊपर चीन का पक्ष लेने का आरोप लगाया है, ताजा आरोप भी उसी का हिस्सा हैं।

कोरोना वायरस का कहर, न्यूयॉर्क में वेंटिलेटर पर 10 में 8 मरीज मर रहे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

न्यूयॉर्क। कोरोना वायरस महामारी से अमेरिका का न्यूयॉर्क शहर सबसे अधिक प्रभावित है। अमेरिका में सबसे ज्यादा मौतें यहीं हुई हैं। अब डॉक्टरों का कहना है कि कोरोना मरीजों को वेंटिलेटर पर रखने से मौतों के मामले बढ़ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आमतौर पर सांस लेने की गंभीर परेशानी वाले 40 से 50 प्रतिशत मरीजों की मौत वेंटिलेटर पर होती है।

हालांकि न्यूयॉर्क में वेंटिलेटर पर 80 प्रतिशत या इससे अधिक लोगों की मौत हो रही है। कुछ डॉक्टरों का कहना है कि हो सकता है कि वेंटिलेटर वक्त के

गंभीर मरीजों की बड़ी संख्या में मौत

साथ मरीजों को नुकसान पहुंचा रहे हों, क्योंकि मरीज के फेफड़े में छोटे से स्थान में उच्च दबाव से ऑक्सिजन डाली जाती है। ऐसे में वे मरीजों को वेंटिलेटर पर रखने से बच रहें हैं, क्योंकि उन्हें लगता है इससे मरीजों को नुकसान पहुंच सकता है।

डॉक्टरों का मानना है कि वेंटिलेटर पर ऐसे मरीजों को रखा जाता है, जिनके फेफड़े काम करना बंद कर देते हैं। ऐसे में मरीज के गले में एक ट्यूब डाली जाती है और उसके जरिए ऑक्सिजन पहुंचाई जाती है। गंभीर स्थिति में पहुंच चुके मरीजों की बड़ी संख्या में मौत हो रही है। ऐसे में डॉक्टर मरीजों को वेंटिलेटर पर रखने के बजाए दूसरे उपायों को तरजीह दे रहे हैं।

अमेरिकन लंग असोसिएशन के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अलबर्ट रिजो का कहना है कि अमेरिका में सामान्य से अधिक मृत्यु दर सामने आ रही है। टोरंटो जनरल अस्पताल में श्वसन मामलों के विशेषज्ञ डॉक्टर ऐडी फान का कहना है, श्वेंटिलेटर फेफड़ों की चोट को और बिगाड़ सकते हैं।श इस बीच अमेरिका में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 22,115 पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में ही अमेरिका में 1514 लोगों की मौत हुई है।

अमेरिका में ईस्टर पर तूफान, कम से कम छह लोगों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जैक्सन। तेज तूफान से 'डीप साउथ' रविवार को दहल गया। जिसमें दक्षिणी मिसिसिपी में कम से कम छह लोगों की जान चली गई उत्तरी लुसियाना में 300 मकान तथा इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। मिसिसिपि आपात प्रबंधन एजेंसी के निदेशक ग्रेग मिशेल ने बताया कि वॉल्टहॉल काउंटी में एक, लॉरेंस काउंटी में दो और जेफरसन डेविस काउंटी में तीन लोगों की जान चली गई। राष्ट्रीय मौसम सेवा विभाग ने बताया कि मिसिसिपी के अन्य हिस्सों में तेज हवाएं चलीं और अलबामा राज्य रेखा के पास मेरिडियन के उत्तर में एक बवंडर देखा गया था। मिसिसिपी के गवर्नर टेट रीवेज ने कहा कि राज्य में कई बवंडर उठे। इसके बाद उन्होंने रविवार रात को आपात स्थिति की घोषणा कर दी। रीवेज ने ट्वीट किया, '' कोई भी ऐसे ईस्टर नहीं मनाना चाहेगा। जैसा कि हम इस 'ईस्टर संडे' को मृत्यु और पुनर्जीवन के तौर पर प्रतिबिंबित करते हैं, हमें विश्वास है कि हम इस स्थिति से भी एक साथ उबरेंगे।'